>

Title : Regarding payment of honorarium to Anganwadi and ASHA workers in Uttar Pradesh.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): माननीय सभापति महोदय, पूरे देश में आंगनवाड़ी कार्यक्रम चलाया गया ताकि समाज के अंतिम आदमी गरीब बच्चे को कुपोषण से बचाया जा सके और शिक्षा दी जा सके। इस बात का संपूर्ण सदन साक्षी है कि पिछली बार बजट में माननीय वित्त मंत्री जी ने कहा था कि आंगनवाड़ी कार्यकर्तियों का मानदेय 3000 रुपए कर दिया जाए। पिछली बार कहा गया कि मानदेय 3000 रुपए कर दिया जाएगा इससे आंगनवाड़ी कार्यकर्तियों में बड़ा उत्साह हुआ कि अब 3000 रुपए मानदेय मिलेगा। मैं व्याप्त भ्रष्टाचार की बात नहीं करना चाहता हूं लेकिन इतना कहना चाहता हूं कि एक साल पहले 3000 रुपए मानदेय किया गया जो पूरे देश में आज तक नहीं मिला है। जब यहां से बजट पास किया गया तो प्रदेश सरकारों को पैसा क्यों नहीं दिया जा रहा है? क्यों सुनिश्चित नहीं किया जा रहा है? एक साल पहले आंगनवाड़ी कार्यकर्तियों का मानदेय 3000 रुपए किया गया था, आज तक क्यों नहीं मिला है? जबकि समाज के अंतिम बच्चे को कुपोषण से बचाने और शिक्षा देने में लगी आंगनवाड़ी कार्यकर्तियों और सहायक कार्यकर्तियों का मानदेय बढ़ाया गया था। मैं मांग करता हूं कि भारत सरकार अविलंब पैसा देकर सुनिश्चित करे कि मानदेय मिल रहा है या नहीं?